

त्र
(, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, , सिद्ध एवं होम्यो)

अतारंकित प्रश्न सं. 3361

12 , 2019 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

ग्र क्षेत्रों f

3361. श्री f :
श्री :
श्री f f :

क , प्राकृतिक f f त , सिद्ध म () त्रि .

- () क f रु ग्र क्षेत्रों . प f ढ ;
() f , त ढ क f f f f f ढ
f f , क ;
() क्षेत्रों f f द क क्षेत्रों
ख आयुर्वेदिक स f क - निर्धारि . ;
() क f f त र्द्धि f क्यौंकि म
. प्र ले स f , त ढ क
;
() क ग्र क्षेत्रों f म f क f
प्र प्र f , f रु ग्र क्षेत्रों f f त f .
f , त ढ क ?

त

ज त्र (स तंत्र प्रभार) (श्री श्रीपाद येसो नाईक)

() (): स स्थय ज f , इसलए आयुष उपचार सुविधाएं मुहैया कराने का प्रमुख म दारो संबंघित राज्य/ ज क्षेत्र सरकारां का है। तर्थाप, राष्ट्रीय आयुष मिशन का कद्रीय प्रायोजित सो 50 बिस्त स त्र
स तालां और औषधालयां का उन्न , आयुवद और होम्योपैथी सहित आयुष उपचार सुविधाओं के लिए प्रार्थमिक स्वास्थ्य कद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य कद्रों और जिला अस्पतालां म आयुष सुविधाओं का सह-स के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान है। राज्य/ ज क्षेत्र सरकारां से प्राप्त प्रस के विभिन्न क्रियाकलापां के लिए वष 2016-17, 2017-18 2018-19 क्र : 417.11 रु , 489.07 करोड़ रूपये और 456.49 करोड़ रूपये का अनुदान सहायता जारो को गई है।

() (.): राष्ट्रीय मिशन में अन्य विभिन्न विधियों में निम्नलिखित प्रावधान किए गए हैं:

- i. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों में आयुष सुविधाओं का सहस्थापना
- ii. एक मात्र राज्य स्तर पर अस्पतालों और औषधालयों का उन्नयन
- iii. 50 बिस्तरों वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण
- iv. जिले स्तर पर शैक्षणिक संस्थानों का उन्नयन
- v. जिले में राज्य स्तर पर शिक्षण को स्थापित करना, जहां ये सरकारी क्षेत्र में नहीं हैं।
- vi. जिले / जिले सहकारी समितियों/सावजनिक क्षेत्र उपग्रहों, सिद्ध, मूष पैथी (एएसयूएंडएच) फार्मसियों को सुदृढ़ बनाना।
- vii. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में औषध परीक्षण प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण।
- viii. प्रसंस्करण और फसलोपरांत प्रबंधन सहित विभिन्न विधियों में

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) स्तर पर (डीएच) में आयुष सुविधाओं को सह-स्थापना को एक कार्यनीति को अपनाया है और इस प्रकार चिकित्सा को विभिन्न पद्धतियों के लिए रोगियों को विकल्प प्रदान

करा। चिकित्सा सहयोगियों को नियुक्ति और उनके प्रशिक्षण के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग द्वारा सहायता प्रदान की जाती है जबकि आयुष अवसंरचना, स्तर/फर्नाचर और औषधियों हेतु सहायता राष्ट्रीय आयुष मिशन को केंद्रीय प्रायोजित स्कीम के अंतर्गत आयुष मंत्रालय द्वारा मुहैया करा जाती है।
